सफलता की कहानी

मिलीवाटरशेड बोरियानाला (IWMP-12), वि.ख. बकावंड़, जिला बस्तर

महिला स्व–सहायता समूह द्वारा मशरूम उत्पादन

कृषि विज्ञान केन्द्र, जगदलपुर द्वारा संचालित परियोजना, मिलीवाटरशेड बोरियानाला (IWMP-12), वि.ख. बकावंड़, जिला बस्तर के माइक्रोवाटरशेड करंजी की रमा महिला स्व–सहायता समूह द्वारा वैज्ञानिक पद्धति से मशरूम उत्पादन वर्ष 2013–14 से किया जा रहा है।

मशरूम उत्पादन इकाई सह प्रशिक्षण केन्द्र, बोरिगांव

मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम

समूह के लिए प्रशिक्षण एवं सूचना, शिक्षा, संचार मद द्वारा मशरूम उत्पादन इकाई सह प्रशिक्षण केन्द्र का निर्माण किया गया है। महिला समूह को कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा मशरूम उत्पादन एवं उत्पाद से सम्बंधित नवीनतम जानकारी निरंतर प्रदान की जा रही है।

समूह को कृषि विज्ञान केन्द्र, जगदलपुर द्वारा मशरूम स्पान एवं एक स्प्रे पंप तथा एक विद्युत चलित चाफ कटर (पैरा कटाई हेतु) प्रदान किया गया है। समूह ने माह सितम्बर 2013

से कुल 32 किलो मशरूम 100.00 रू. की दर से विक्रय कर कुल 3200.00 रूपये अपनी आमदनी में अतिरिक्त आय अर्जित की है। रमा महिला स्व–सहायता समूह की अध्यक्ष श्रीमती रमा कश्यप एवं सचिव श्रीमती संतोष कश्यप हैं।

समूह की महिलाओं द्वारा मशरूम उत्पादन से प्राप्त आय एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम से मशरूम व्यवसाय करने हेतु रूचि में बढोत्तरी हुई है एवं महिलाओं द्वारा मशरूम उत्पादन वर्ष भर लेकर अतिरिक्त आय प्राप्त करने की जागरूकता भी उत्पन्न हुई है। साथ ही धान का पैरा जो खेत में पड़ा रहकर खराब हो रहा था उसका उपयोग कर मशरूम उत्पादन के पश्चात् अच्छी गुणवत्ता युक्त खाद के रूप में बाड़ी में सब्जी एवं फसल उत्पादन हेतु उपयोग किया जा रहा है। बस्तर अंचल में वर्षा ऋतु में ही स्थानिय वनों से मशरूम (बोड़ा, फुट्टू, छाती) प्राप्त होती है जो कभी–कभी जहरीली भी हो सकती हैं अतः आयस्टर मशरूम उत्पादन वैज्ञानिकों की देखरेख में वर्ष भर उत्पादन द्वारा कृषक महिलाओं द्वारा किया जायेगा।

महिला समूह द्वारा मशरूम उत्पादन

मा. कुलपति, डॉ. एस.के. पाटिल, इं.गां.कृ.वि.वि., रायपुर द्वारा उत्पादित मशरूम का अवलोकन

वर्तमान में समूह की महिलाएं अपनी खेती–बाड़ी के कार्य से निवृत होने के उपरान्त अतिरिक्त समय में मशरूम उत्पादन की विभिन्न गतिविधियों जैसे पैरा कटाई, पालीथीन भराई, पैरा में मशरूम स्पान मिलाना, मशरूम पैकेट टांगना जैसे गतिविधियों में व्यस्त हैं। समुह समयावधि में मशरूम की तुड़ाई कर उत्पाद को स्वयं के उपभोग में लारहा है एवं स्थानीय बाजार में विक्रय कर अतिरिक्त आमदनी भी प्राप्त कर रहा है। मशरूम उत्पादन की विभिन्न गतिविधियों से जुड़ने के उपरान्त स्वसहायता समुह की महिलाओं की आय में वृद्धि के साथ साथ उनके आत्म विश्वास में भी वृद्धि हुई है।

परियोजना अधिकारी
मिलीवाटरशेड बोरियानाला (IWMP-12),
वि.ख. बकावंड़, जिला बस्तर